

कल्लाजी आपरो भारी लागो दरबार कल्लाजी भजन



कल्लाजी आपरो,
भारी लागो दरबार,
भारी लागो दरबार,
मेरे दाता,
भारी लागो दरबार,
भारी लागो दरबार,
कल्लाजी आपरो,
भारी लागो दरबार।bd।

बावन गढ़ का गढ़पति,
ओर सिरदारा सिरमोड़,
महाबली बलवान शिरोमणि,
क्षत्रिय वंश राठौड़,
पधारो मारा कुंवर कल्ला राठौड़,
कुंवर कल्ला राठौड़,
मेरे दाता कुंवर कल्ला राठौड़।bd।

तो चितौड़ गढ़ में सिर कटा,
धड़ गिरा सलुम्बर थोड़,
बेरया ने काट मुगला,
ने भगाया अरे फते तो करि रे चितौड़,
पधारो मारा कुंवर कल्ला राठौड़,
कुंवर कल्ला राठौड़,
मेरे दाता कुंवर कल्ला राठौड़।bd।

तो महाराणा सांगा ओर,
कुम्भा हुए अमर सिंह राठौड़,
उदय सिंह जी उदयपुर बसायो,
या छोटी मोटी डूंगर छोड़,
पधारो मारा कुंवर कल्ला राठौड़,
कुंवर कल्ला राठौड़,
मेरे दाता कुंवर कल्ला राठौड़।bd।

तो गांव धनेट के मांगीलालजी,
समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल
एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



ब्रामण ओर जात है गुर्जर गोड़,
दया विचारों कष्ट निवारो,
यो मारो जिलो है गढ़ रे चितोड़,
पधारो मारा कुँवर कल्ला राठौड़,
कुँवर कल्ला राठौड़,
मेरे दाता कुँवर कल्ला राठौड़।bd।

कल्लाजी आपरो,
भारी लागो दरबार,
भारी लागो दरबार,
मेरे दाता,
भारी लागो दरबार,
भारी लागो दरबार,
कल्लाजी आपरो,
भारी लागो दरबार।bd।

Video Not Available.